AECC04.4

Reg. No. | | | | | | | | |

I Semester B.Sc./B.V.Sc./M.Sc.(Biological Science)/B.S(4)/B.O.C. Degree Examination, May/June - 2022

LANGUAGE HINDI UNDER (AECC)

Kathà, Prayojan Mulak Hindi Aur Sankshépan

(CBCS Scheme Freshers Semester 2021-2022 Onwords)

Paper - I

Time : 2½ Hours

Maximum Marks : 60

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए। (10×1=10)

1) खान क्या बेचता था?
2) रतन की माँ का नाम क्या है?
3) पण्डित शादीराम क्या काम करते थे?
4) लिफाफे में सौ-सौ के कितने नोट थे?
5) 'सबक' पाठ के रचनाकार का नाम लिखिए?
6) अलमोड़ा में कौन रहता था?
7) नथुवा अनाथों की तरह किसके द्वार पर पड़ा रहता था?
8) रत्ना का विवाह किससे हुआ?
9) यशपाल की बेटी की उम्र कितनी थी?
10) चाँदनी कौन थी?

LIBRARY
VIJAYA COLLEGE
Jayanagar IV Block
Bangalore-560 011

II. किन्ही दो की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए। (2×7=14)

1) मैंने सोचा, रोज-रोज आप से झूठ बुलवाना और आपके रास्ते में रूकावट बनकर रहना ठीक नहीं है; और पत्नी के नाते ऐसा करना अनुचित है?
2) उतने ही लगाव, उतनी ही निष्ठा के साथ रात-दिन सेवा करती रहीं उनकी। कितनी अकेली हो जाएँगी वे .... कैसे झेलेंगी इस सदमें को?
3) आहट न करो। "गर्दन ऐसे दबा लेना कि आवाज़ न निकले। चीख न पड़े। छुरा ताक में है।"

III. 'अलबम' कहानी के आधार पर वर्तमान स्वार्थमय जन जीवन में परोपकार की उच्च वृति गायब होती जा रही है, इस तथ्य को स्पष्ट कीजिए। (1×16=16)

(अथवा)

'सौभाग्य के कोड़े' कहानी का सारांश उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

[P.T.O.

Be AatmaNirbhar. Use Kaagaz

IV. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए। (1×5=5)

1) चाँदनी

2) गोपालराव

LIBRARY
VIJAYA COLLEGE
Jayanagar IV Block
Bangalore-560 011

V. किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2×4=8)

1) आलेखन किसे कहते है और उसके कितने प्रकार है?

2) टिप्पण की परिभाषा देते हुए उसके भेदो को लिखिए।

3) आपके महाविद्यालय में संपन्न हुई हिन्दी दिवस का विवरण देते हुए प्रतिवेदन लिखिए।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई में संक्षेपण कीजिए : (1×7=7)

आधुनिक ज्ञान-विज्ञान ने मनुष्य को बहुत कुछ बुद्धि-सम्मत बना दिया था। बौद्धिक जगत् में एक क्रांतिकारी परिवर्तन आया, यथार्थ का स्वरूप ही बदल गया। पाप-पुण्य, धर्म-अधर्म, अच्छे-बुरे की जो कसौटियाँ धर्मग्रन्थों में निर्धारित की गयी थीं, उनकी प्रामाणिकता समाप्त हो गयी, पुराने मूल्य विघटित हो गये। मनुष्य ने पाया कि वर्तमान परिस्थिति में वह असहाय, क्षुद्र और निरर्थक प्राणी है। विज्ञान की प्रगति ने भी निश्चयतावादी सिद्धांत को खोखला सिद्ध कर दिया। फ्लैक के क्वांटम-सिद्धांत और आइन्स्टीन के सापेक्षतावाद से सिद्ध हो गया कि न तो कोई सार्वभौम सत्य होता है और न शाश्वत नैतिकता। अणुओं की सत्ता के असिद्ध हो जाने के बाद अणु शक्ति में बदल जाता है और शक्ति अणु में। निश्चयात्मकता की समाप्ति की अन्तिम घोषणा हो गयी। अस्तित्ववादी दर्शन ने इस पर अपनी मुहर लगा कर इसे और भी पुष्ट कर दिया।